अमेलिया इयरहार्ट

डेविड, चित्र : जेफ, हिंदी : मीनू नेगी रौथाण

अमेलिया इयरहार्ट

डेविड, चित्र : जेफ
हिंदी : मीनू नेगी रौथाण

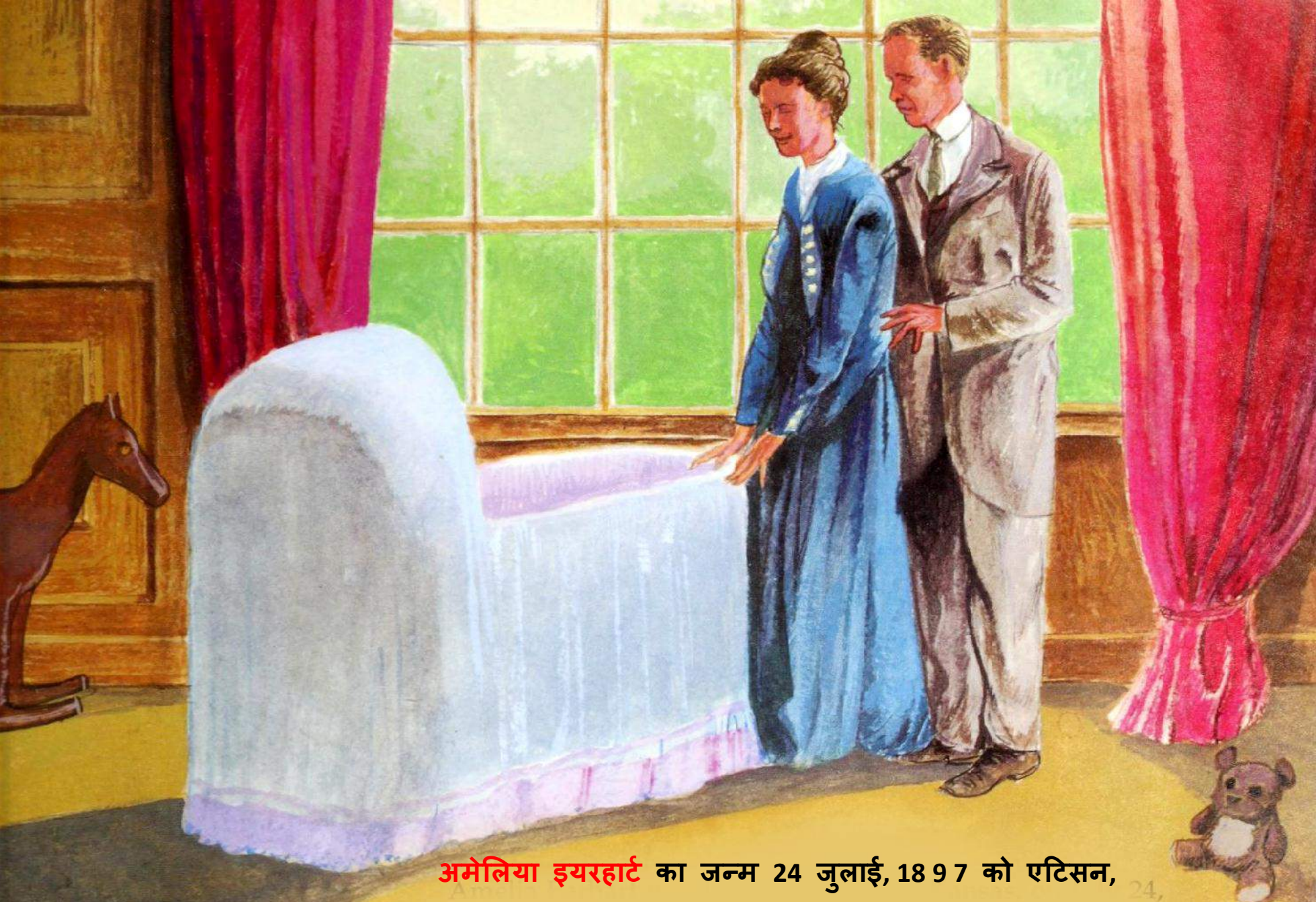

अमेलिया इयरहार्ट का जन्म 24 जुलाई, 18 9 7 को एटिसन, के कान्सास नामक शहर में हुआ. उसके पिता एडविन ईयरहार्ट, रेलवे में वकील थे, और माता एमी इयरहार्ट, एक अमीर न्यायाधीश की बेटी थीं. सन 1 9 00 में, उनकी दूसरी बेटी, म्यूरीअल का जन्म हुआ.

अमेलिया स्कूली दिनों में बिल्कुल भी शांत स्वभाव की नहीं थी. उन्हें मिट्टी की गेंदों से खेलना, बाड़ पर कूदना-फांदना, बेसबॉल और फ़ुटबॉल खेलना पसंद था. एक बार उन्होंने 22 गोलियां चलाकर खुद के बाड़े से चूहों के परिवार को आजाद किया. सात वर्ष की उम्र में उन्होंने पुराने रोलर-स्केट्स और तारों के टुकड़ों से अपना पहला रोलर-कोस्टर बनाया.

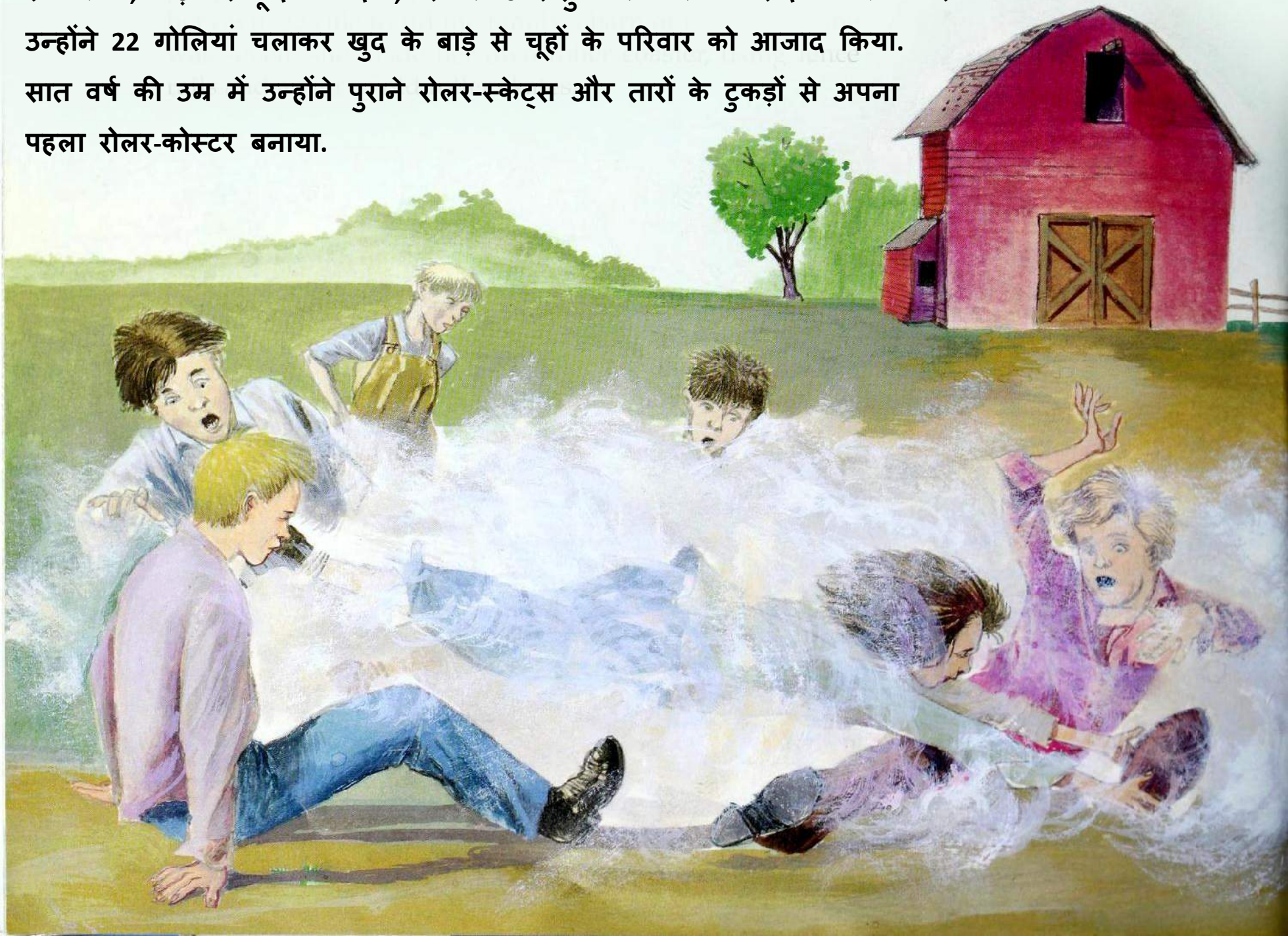

उनकी उम्र की अन्य लड़कियां लंबे, सलीके के कपड़े पहनती थीं जबकि अमेलिया और म्यूरीअल इयरहार्ट अक्सर ढीली फिटिंग पैंट (ब्लूमर्स) पहना करती थीं. इन दोनों बहनों का व्यवहार लोगों के लिए चौंकाने वाला था. लेकिन, अमेलिया ने बाद में लिखा, "बड़ों के आश्चर्यचकित होने से हमारा कुछ भला ही होगा."

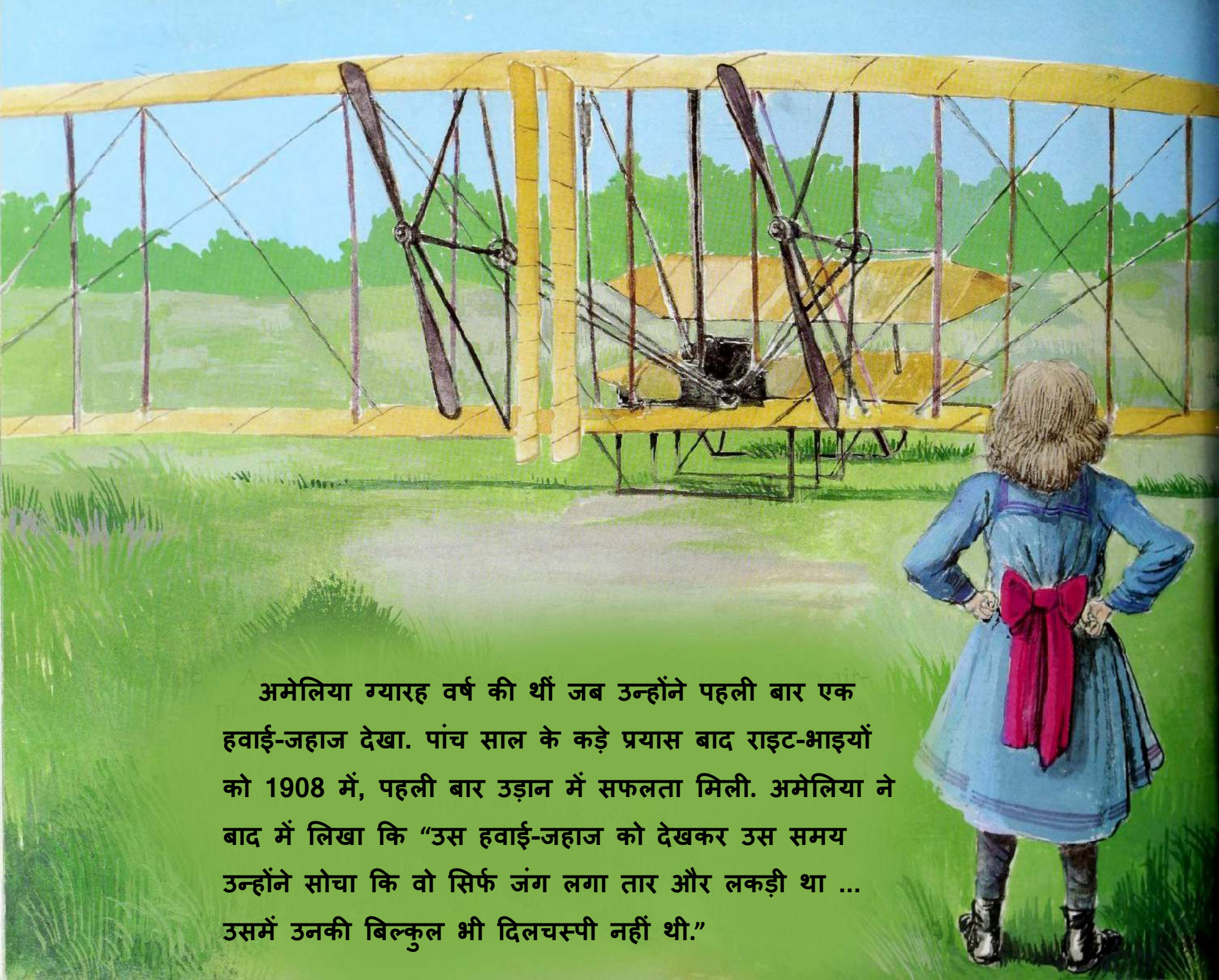

अमेलिया ग्यारह वर्ष की थीं जब उन्होंने पहली बार एक हवाई-जहाज देखा. पांच साल के कड़े प्रयास बाद राइट-भाइयों को 1908 में, पहली बार उड़ान में सफलता मिली. अमेलिया ने बाद में लिखा कि “उस हवाई-जहाज को देखकर उस समय उन्होंने सोचा कि वो सिर्फ जंग लगा तार और लकड़ी था ... उसमें उनकी बिल्कुल भी दिलचस्पी नहीं थी.”

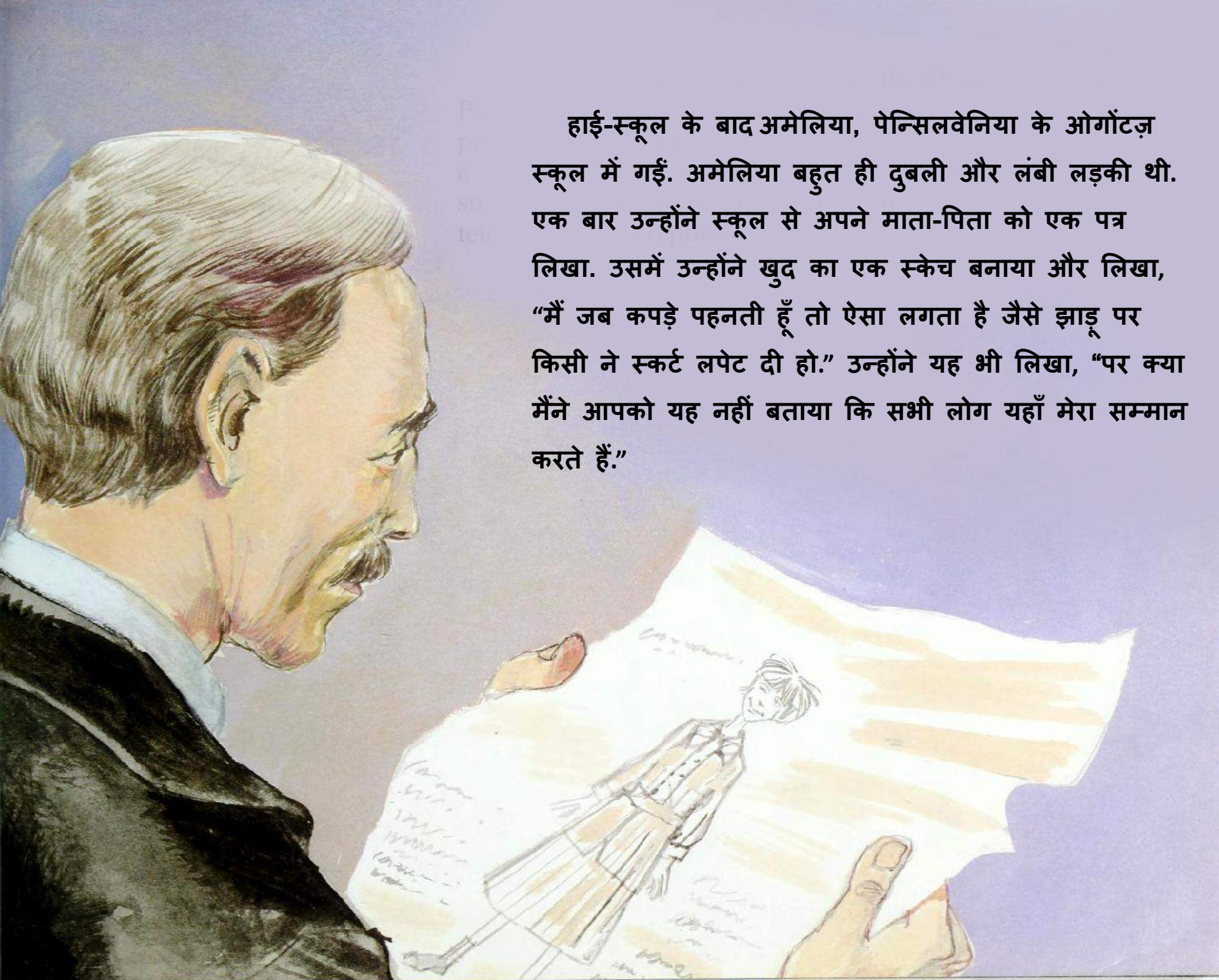

हाई-स्कूल के बाद अमेलिया, पेन्सिलवेनिया के ओगोंटज़ स्कूल में गईं. अमेलिया बहुत ही दुबली और लंबी लड़की थी. एक बार उन्होंने स्कूल से अपने माता-पिता को एक पत्र लिखा. उसमें उन्होंने खुद का एक स्केच बनाया और लिखा, “मैं जब कपड़े पहनती हूँ तो ऐसा लगता है जैसे झाड़ू पर किसी ने स्कर्ट लपेट दी हो.” उन्होंने यह भी लिखा, “पर क्या मैंने आपको यह नहीं बताया कि सभी लोग यहाँ मेरा सम्मान करते हैं.”

1917 में अमेलिया ने टोरंटो, कनाडा में अपनी बहन के साथ क्रिसमस बिताया. वहां उन्होंने उन सैनिकों को देखा जो पहले विश्वयुद्ध से लौटे थे. कई सालों बाद उन्होंने लिखा, "पहली बार, मुझे विश्वयुद्ध का सही एहसास हुआ. नई वर्दी और ब्रास-बैंड की बजाए, मैंने चार सालों के हताश संघर्ष का नतीजा देखा; कई सैनिकों ने अपने पैर खो दिए थे, आंखे खो दीं, वे लकवाग्रस्त हो गए."

छुट्टी के तुरंत बाद, अमेलिया ने स्कूल छोड़ दिया. वो टोरंटो वापस जाकर एक सहयोगी नर्स बन गईं ताकि वह युद्ध के घायलों की सेवा कर सकें.

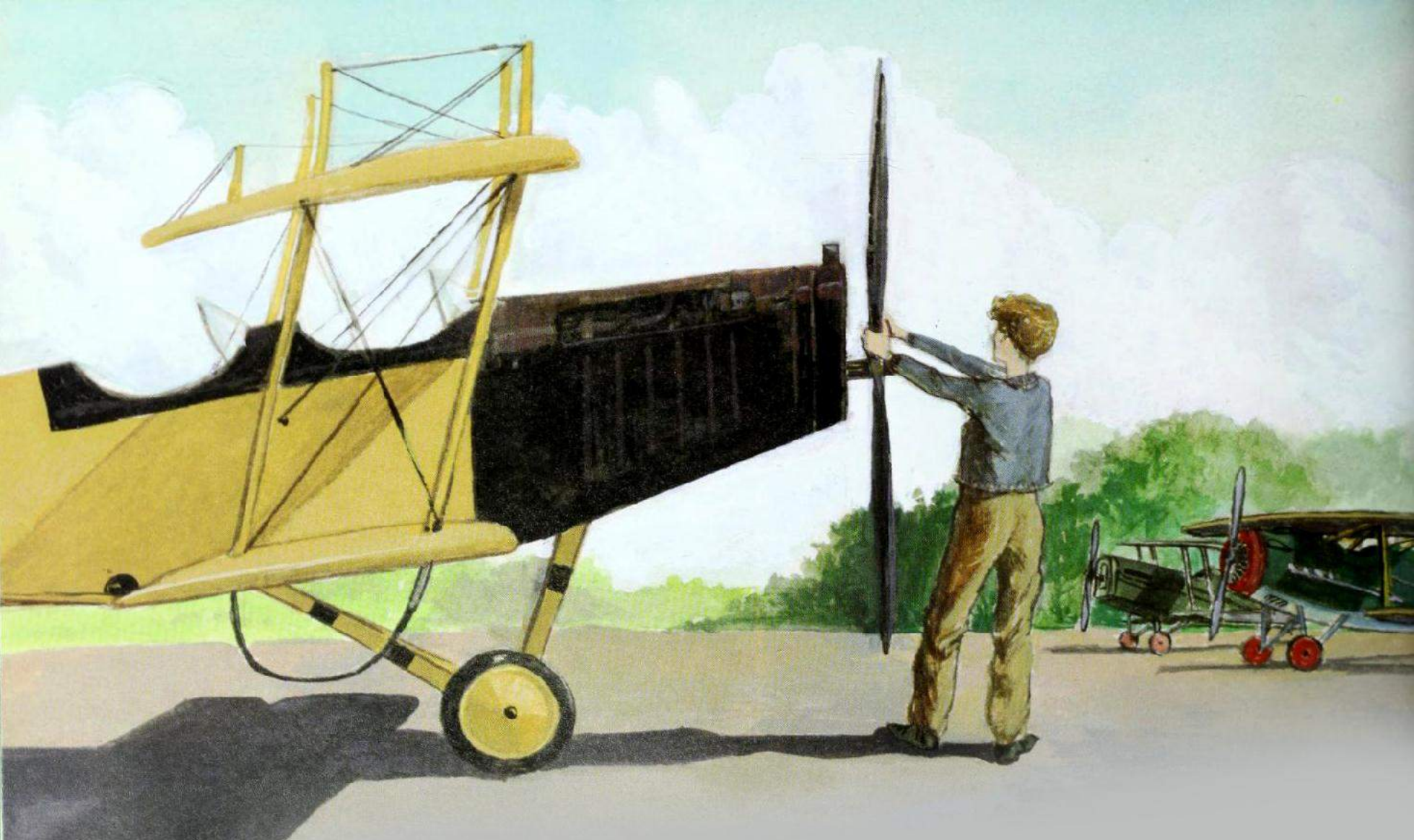

टोरंटो के दिनों में अमेलिया, अक्सर पास स्थित हवाई-जहाज़ के मैदान में चली जाती थीं. कुछ साल बाद उन्होंने यह वर्णन लिखा कि “मैंने पहले काउंटी मेलों में एक, या दो जहाज़ों को ही देखा था, और यहाँ बहुत सारे थे ... मैंने अपना बहुत सा खाली समय इन जहाजों के आसपास बिताया और बहुत सी जानकारी भी हासिल की.”

युद्ध के बाद अमेलिया, ऑटोमोबाइल इंजन की मरम्मत का अध्ययन करने लगीं, और अगले ही साल उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय के बर्नहार्ड कॉलेज, न्यू-यॉर्क सिटी में, पढ़ने के लिए दाखिला लिया. सबसे पहले उन्होंने चिकित्सा का अध्ययन करने की तैयारी की, परन्तु बाद में उन्होंने चिकित्सा अनुसंधान करने का फैसला किया.

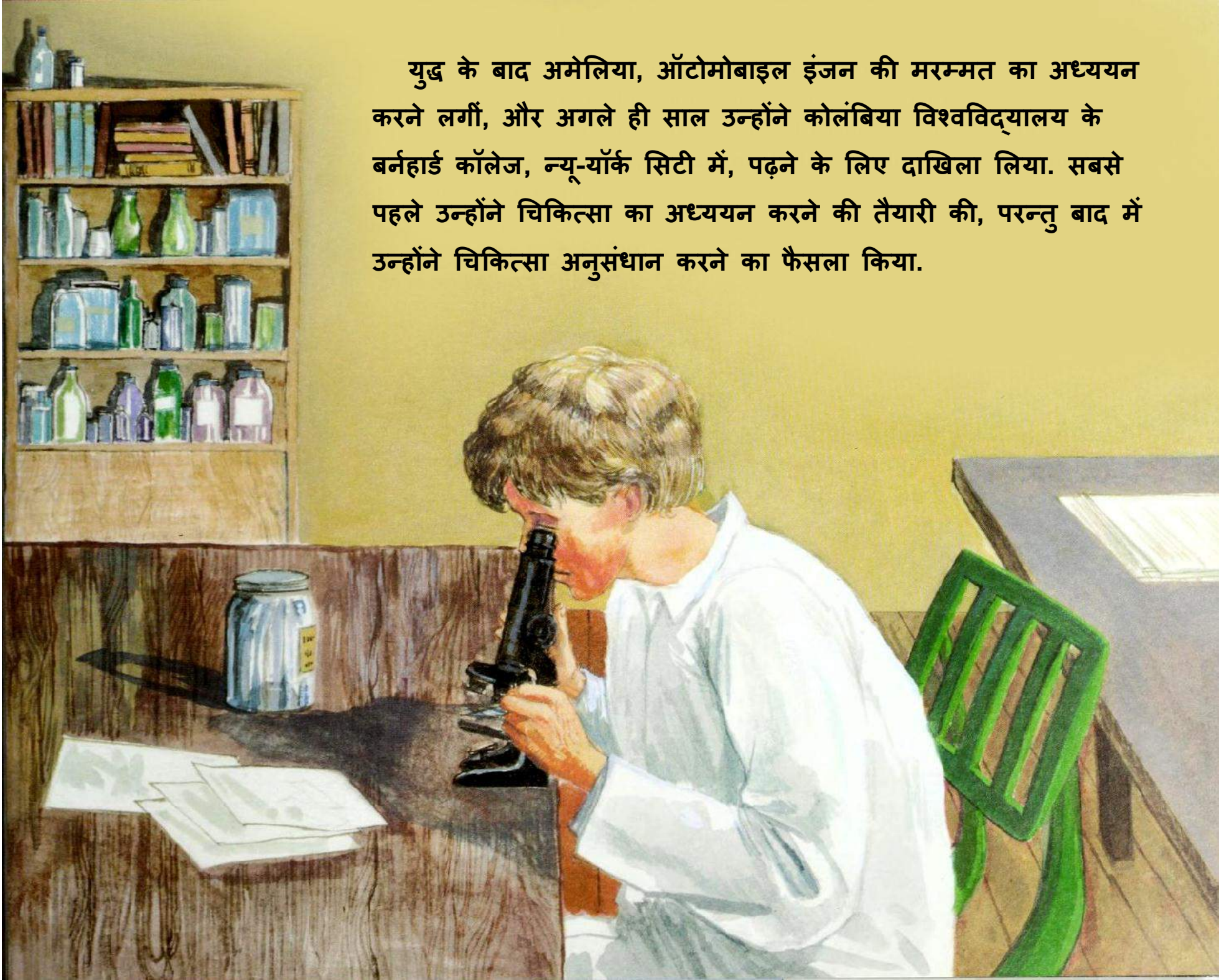

स्कूल वर्ष समाप्त होने के बाद, अमेलिया अपने माता-पिता के साथ कैलिफोर्निया चली गईं. 1920 क्रिसमस के दिन, वह एक एयर-शो में गईं और तीन दिन बाद उन्होंने दस मिनट की हवाई सवारी के लिए एक डॉलर का टिकट खरीदा.

अमेलिया ने लिखा "जैसे ही मैं जमीन से ऊपर उड़ी, मुझे लगा कि मुझे एक दिन खुद उड़ना ही होगा."

जनवरी 1921 में, अमेलिया ने अपना पहला उड़ान अभ्यास किया. उसी साल जुलाई में उन्होंने अपना पहला हवाई-जहाज भी खरीदा. हवाई-जहाज खरीदने और अभ्यास के लिए उन्होंने अपनी बचत-पूँजी खर्च की, जो उन्होंने लॉस-एंजिल्स टेलीफ़ोन कंपनी में कमाई थी. उसके लिए उन्हें मां और बहन से ऋण भी लेना पड़ा.

उस समय जहाज की उड़ान, आज की तरह सुरक्षित नहीं थीं. हवाई-जहाज छोटे-छोटे इंजनों द्वारा चलते थे. अमेलिया की कई उड़ानें दुर्घटनाग्रस्त भी हुईं. एक बार उन्हें एक खुले मैदान में अकेले छोड़ दिया गया, और एक बार तो उनका विमान भारी बारिश और तूफान में ऐसे फंसा की वो सुरक्षापेटी के सहारे उल्टी लटकी हुई पाई गईं.

47

1924 में अमेलिया के माता-पिता का तलाक हो गया. फिर उन्होंने अपना हवाई-जहाज बेंच दिया और एक पीले रंग की स्पोर्ट्स कार खरीदी. उसके बाद अमेलिया अपनी मां को लेकर मेडफोर्ड, मैसाचुसेट्स में अपने नए घर में चली गईं.

सैम चैपमैन एक रासायनिक इंजीनियर थे. वे अमेलिया के साथ काम करते थे और वो अमेलिया से शादी करना चाहते थे, लेकिन अमेलिया ने शादी से इंकार किया और कहा की वो "घरेलू रोबोट" बनना नहीं चाहतीं. उस वक्त उन्होंने कहा, "मैं किसी से शादी नहीं करना चाहती हूं."

पूरे सप्ताह अमेलिया, बोस्टन के एक सामुदायिक केंद्र में सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में नौकरी करती थीं. वहां वो प्रवासी बच्चों को अंग्रेजी पढ़ना सिखाती थीं. फिर सप्ताह के अंत में वो एक हवाई-जहाज बिल्डर की दुकान में, सेल्स-गर्ल के तरह काम करती थीं.

मई 1927 में चार्ल्स लिंडबर्ग अटलांटिक महासागर को पार करने वाले पहले व्यक्ति बने. उसके अगले साल अमेलिया इयरहार्ट उड़ान भरने वाली पहली महिला बनीं. उन्होंने मैत्री नामक हवाई-जहाज पर अपना यह सफर तय किया. जून 1928 में अमेलिया, बिल स्टाल्ट्स और स्लिम गॉर्डन बहुत अच्छे दोस्त बने.

इस जहाज को नारंगी रंगा गया, ताकि किसी भी दुर्घटना में उसे खोजना आसान हो और उसे नाव के ऊपर पोंटूनों पर रखा गया. इमरजेंसी के दौरान वे इसकी सहायता से समुद्र पर उतर सकते थे. यात्रा से पहले अमेलिया ने अपनी माँ को तार लिखा और कहा "मेरी चिंता मत करना. इस प्रयास के परिणाम से कोई फर्क नहीं पड़ेगा. मेरे लिए इस अनुभव का अहसास बहुत महत्वपूण है."

स्टोट्ज़ के विमान की उड़ान भरने से पहले, अमेलिया ने नक्शे की जांच की और अपनी गति और ऊंचाई का रिकॉर्ड लिया. उन्होंने खिड़की से जब बादलों को देखा जो "सफेद रंग में अद्भुत आकार" के रूप में प्रतीत हो रहे थे. उन्होंने उसे "गुलपिंग ब्यूटी" कहा. 18 जून, 1928 को, हवा में बीस घंटे और चालीस मिनट के बाद, विमान बरी पोर्ट, वेल्स के बंदरगाह पर पानी में उतरा. अमेलिया ने इस उड़ान को "एक भव्य अनुभव" के रूप में वर्णित किया. विमान की परिचालका होने की वजह से उन्होंने अपने आप को "सामान" वस्तु के जैसा महसूस किया क्योंकि वह इस विमान की पायलट नहीं थी.

जब तीनों यात्री न्यू-यॉर्क शहर वापिस लौटे, तब शहर में उनका भव्य स्वागत हुआ. खुली कारों में परेड का आयोजन किया गया. लोगों ने अपने कार्यालयों की खिड़कियों से रंग-बिरंगी झंडियाँ गिराकर उनका अभिनंदन किया. अमेलिया इयरहार्ट, अटलांटिक महासागर को पार करने वाली पहली महिला थीं. उन्हें एक अमेरिकी नायिका का सम्मान भी दिया गया.

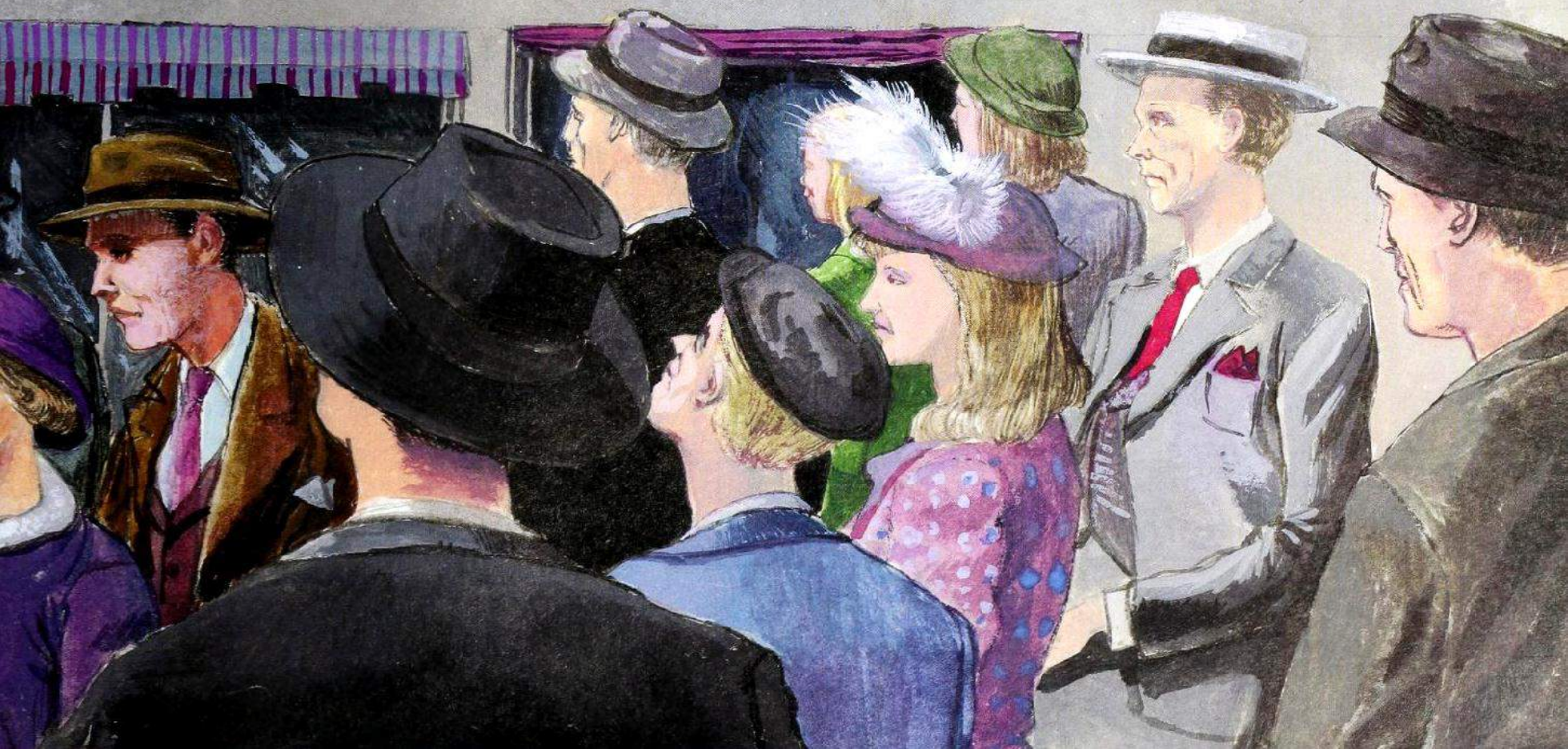

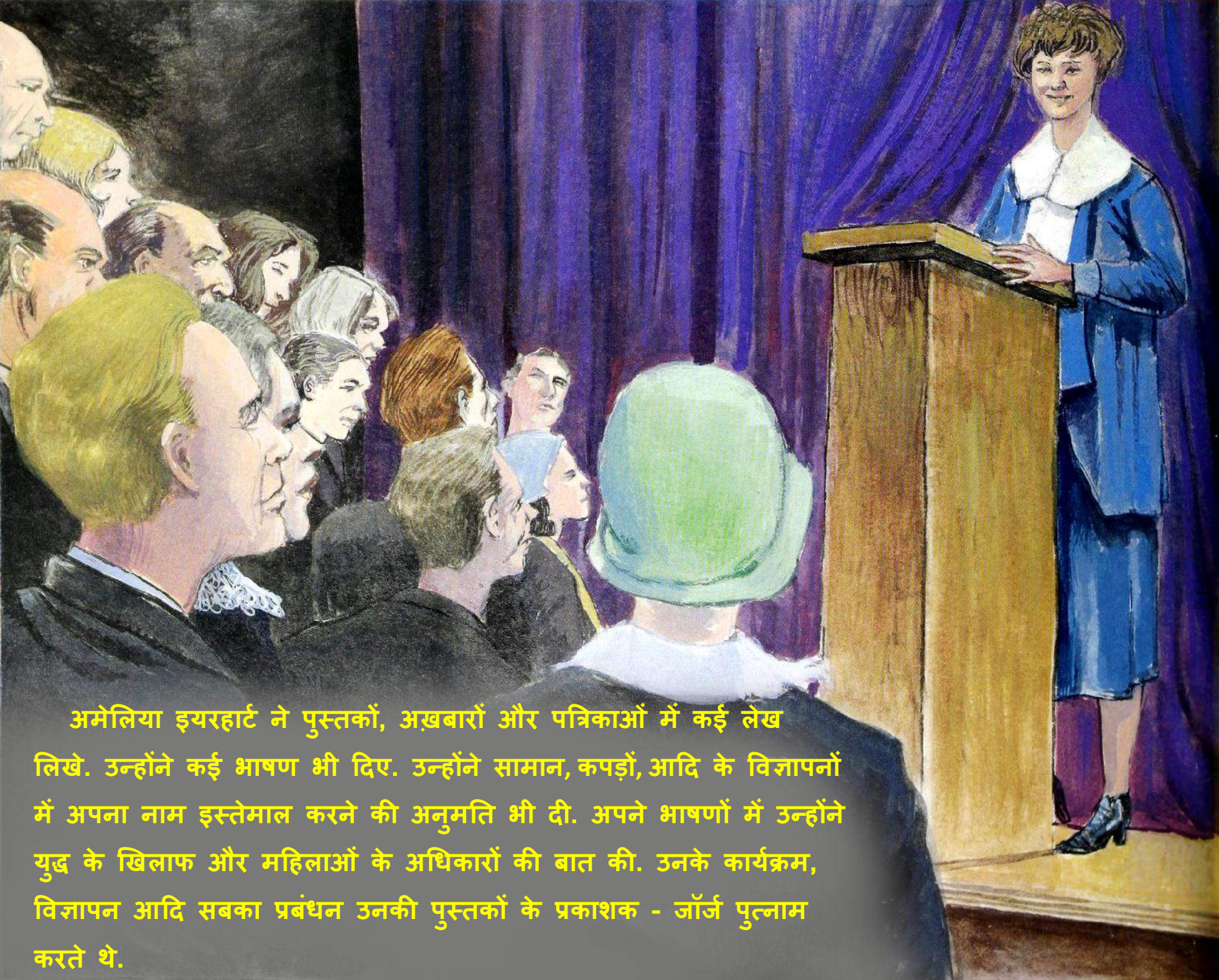

अमेलिया इयरहार्ट ने पुस्तकों, अख़बारों और पत्रिकाओं में कई लेख लिखे. उन्होंने कई भाषण भी दिए. उन्होंने सामान, कपड़ों, आदि के विज्ञापनों में अपना नाम इस्तेमाल करने की अनुमति भी दी. अपने भाषणों में उन्होंने युद्ध के खिलाफ और महिलाओं के अधिकारों की बात की. उनके कार्यक्रम, विज्ञापन आदि सबका प्रबंधन उनकी पुस्तकों के प्रकाशक - जॉर्ज पुत्नाम करते थे.

7 फ़रवरी 1931 को अमेलिया ने, अपने प्रकाशक जॉर्ज पुत्नाम से विवाह किया. विवाह के अगले ही वर्ष सुबह नाश्ते के समय, अमेलिया ने अपने पति से कहा कि वो अटलांटिक महासागर को फिर से पार करना चाहती थीं. इस बार वह हवाई जहाज की पायलट बनकर उड़ान भरना चाहती थीं और वो भी अकेले.

अमेलिया इयरहार्ट ने 20 मई 1932 को हार्बर ग्रेस, न्यूफाउंडलैंड से लाल और सुनहरे रंग वाले, एक-इंजन के हवाई-जहाज़ में अपनी उड़ान शुरू की. तेज हवा, भारी बारिश और घने बादलों में अक्सर विमान के पंखों और विंडशील्ड पर कोहरा और बर्फ जम रही थी. उन्हें अगली दोपहर तक इन सब मुश्किलों का सामना करते रहना पड़ा. तब जाकर वो लंदन के उत्तरी आयरलैंड के एक चारागाह में पहुंचीं. उन्होंने बाद लिखा कि विमान की लैंडिंग के समय इतना शोर मचा कि "पड़ोस के पशु भी डर गए."

"तुम कहाँ से आई हो?" उन्हें देखने वाले पहले व्यक्ति ने पूछा.

"अमेरिका से," अमेलिया इयरहर्ट ने उत्तर दिया.

"सच में?" आदमी ने आश्चर्य से कहा. उस व्यक्ति को विश्वास ही नहीं हुआ.

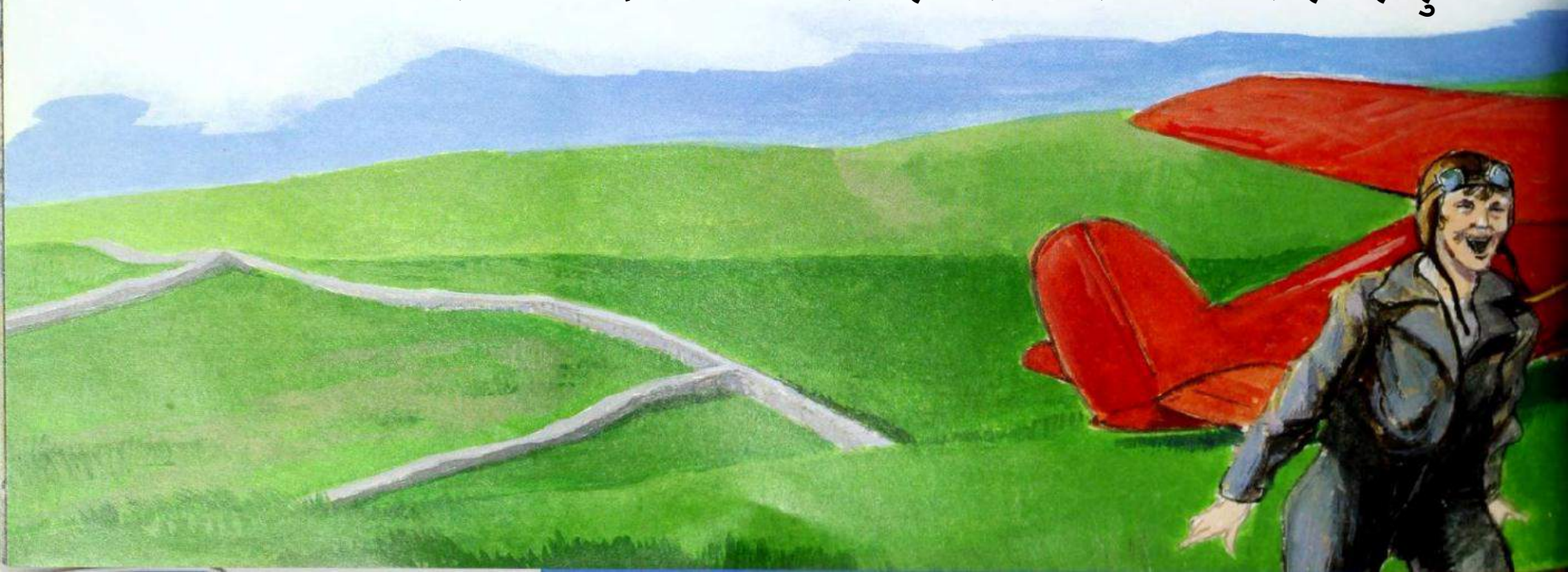

NR-7592

इस उड़ान के बाद एमेलीआ इयरहार्ट पहली, महिला पायलेट बनीं. चार्ल्स लिंडबर्ग के बाद, अटलांटिक महासागर पर अकेले उड़ने वाली दूसरी व्यक्ति. वह अपने समय के सबसे प्रसिद्ध लोगों में से एक थीं.

जून में, राष्ट्रपति हर्बर्ट हूवर ने उन्हें स्वर्ण पदक से सम्मानित किया. उन्हें अपनी इस उपलब्धि के लिए कई अन्य महान पुरस्कार भी प्राप्त हुए. राष्ट्रपति ने उन्हें एक “अग्रणी” “पायनियर” महिला बताया. अमेलिया इयरहार्ट ने कहा कि “उन्हें इस बात की उम्मीद थी कि अब महिलाएं भी विमानन के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगी.”

अमेलिया इयरहार्ट के इन साहसी कारनामों का महिलाओं के जीवन पर बहुत प्रभाव पड़ा.

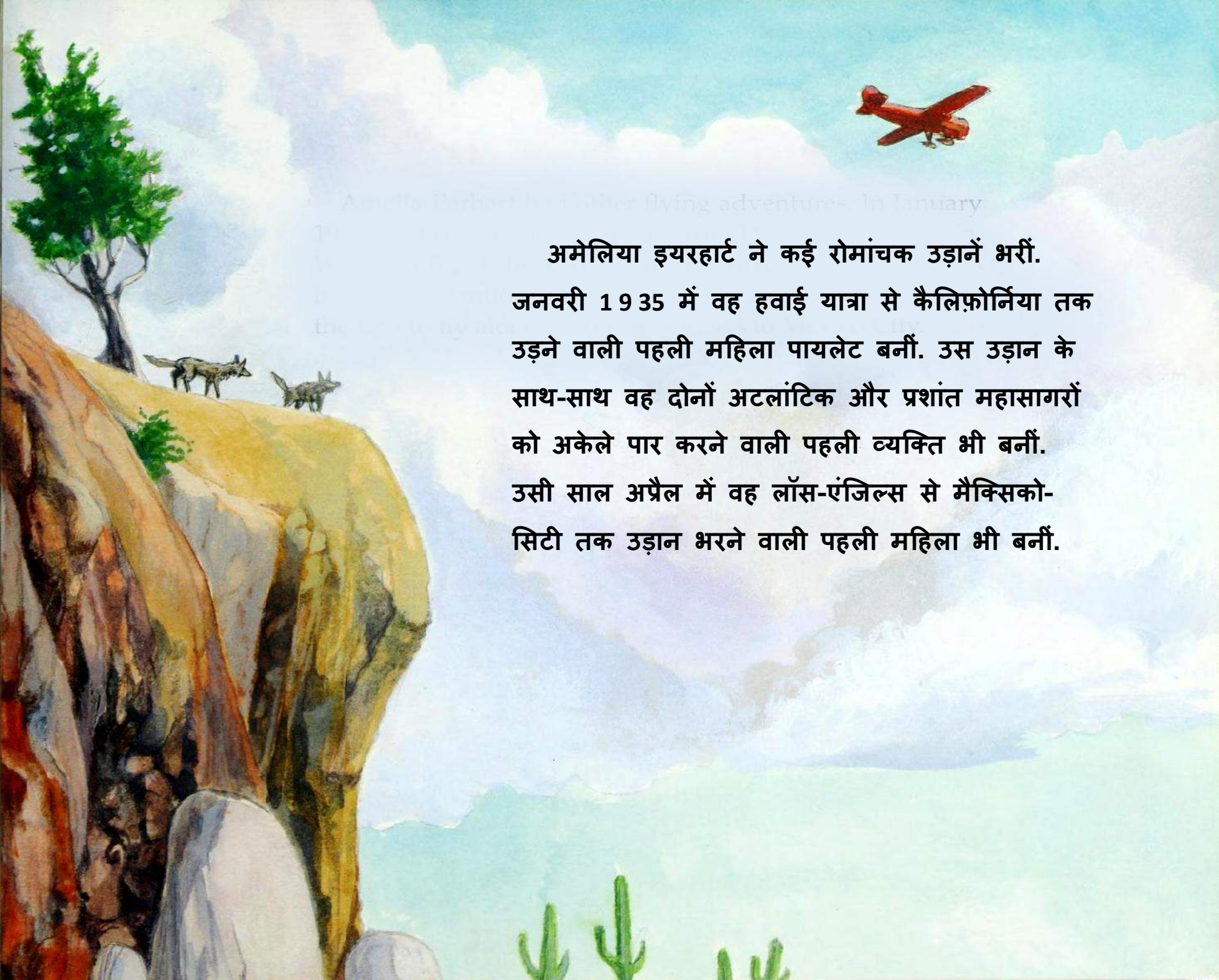

अमेलिया इयरहार्ट ने कई रोमांचक उड़ानें भरीं. जनवरी 1935 में वह हवाई यात्रा से कैलिफ़ोर्निया तक उड़ने वाली पहली महिला पायलेट बनीं. उस उड़ान के साथ-साथ वह दोनों अटलांटिक और प्रशांत महासागरों को अकेले पार करने वाली पहली व्यक्ति भी बनीं. उसी साल अप्रैल में वह लॉस-एंजिल्स से मैक्सिको-सिटी तक उड़ान भरने वाली पहली महिला भी बनीं.

1937 में, उन्होंने दुनिया भर में उड़ने "विश्व-भ्रमण" की योजना बनाई. जब उन्हें बताया गया कि यह उड़ान खतरनाक हो सकती है, तो अमेलिया ने कहा, "मैं इस उड़ान को एक लंबे समय से करना चाहती थी. यह मेरा सपना है जो मैं हमेशा से करना चाहती थी."

1 जून 1937 को, अमेलिया इयरहार्ट और उनके नेविगेटर, फ्रेड नोनन ने यात्रा शुरू की. उन्होंने मियामी, फ्लोरिडा से सैन-जुआन, प्यूर्टो-रिको के लिए उड़ान भरी. उन्होंने दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका, भारत, बर्मा, थाईलैंड, सिंगापुर, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यू-गिनी तक सहजतापूर्वक उड़ानें भरीं. वे दुनिया के तीन-चौथाई से अधिक हिस्से का भ्रमण कर चुके थे. 2 जुलाई को, वे लाई, न्यू-गिनी से, विशाल प्रशांत महासागर में स्थित छोटे से हॉवेलैंड द्वीप के लिए रवाना हुए.

अमेलिया इयरहार्ट और फ्रेड नोनन ने यह कभी नहीं सोचा था कि वे प्रशांत महासागर में कहीं गायब हो जाएंगे.
उन्हें बहुत खोजा गया था, लेकिन फिर वे कभी नहीं मिले.

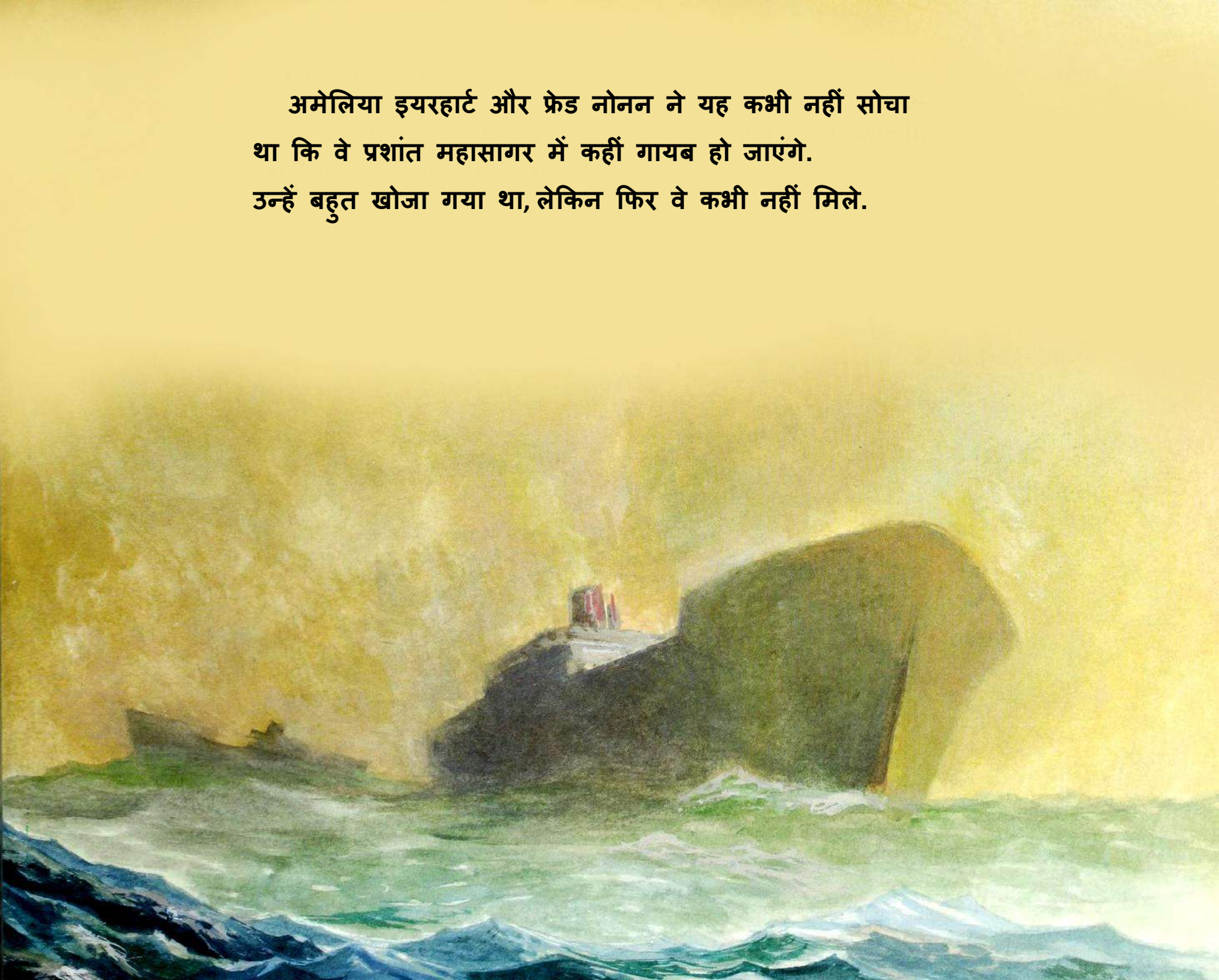

खो जाने से पहले, अमेलिया ने अपने पति को संदेश लिखा, "मैं इन खतरों को जानतीं हूं ...परन्तु मैं इसे करना चाहता हूं. महिलाओं को वो सब करने की कोशिश करनी चाहिए जो पुरुष कर सकते है. और यदि वे विफल हो भी जाए, तो उनकी विफलता दूसरों के लिए एक चुनौती और प्रेरणा बनेगी."

अमेलिया इयरहार्ट ने अमेरिका की "फर्स्ट लेडी ऑफ़ दि एयर" का ख़िताब पाया. वह एक साहसी, अग्रणी पायलेट थीं. उन्होंने अपनी ज़िन्दगी को यह साबित करने के लिए खतरे में डाला, कि महिलायें चुनौती से ऊपर हैं. वे कहीं भी चुनौतियों का सामना निश्चित रूप से कर सकती हैं.

महत्वपूर्ण तिथियाँ

24 जुलाई 1897	एटिसन, कान्सास में जन्म.
3 जनवरी 1921	पहला उड़ान अभ्यास और अपने जन्मदिन पर अपना पहला हवाई जहाज “कैनरी” खरीदा.
17 जून 1928	“मैत्री” नामक जहाज पर सवार हो कर अटलांटिक महासागर पार करने वाली पहली महिला बनीं.
7 फरवरी 1931	जॉर्ज पी. पुत्नाम से विवाह.
20-21 मई 1932	अटलांटिक महासागर को अकेले पार करने वाली पहली महिला और ऐसा करने वाली दूसरी व्यक्ति.
11-12 जनवरी 1935	कैलिफ़ोर्निया की हवाई उड़ान भरने वाली पहली व्यक्ति.
19-20 अप्रैल 1935	लॉस-एंजिल्स से मैक्सिको-सिटी अकेले उड़ने वाली पहली व्यक्ति.
3 जुलाई 1935	प्रशांत महासागर में गायब हो गईं.

लेखक की टिप्पणी

अमेलिया की मां, 1890 में, “पाईक पीक” (14,110-फीट) की चोटी पर चढ़ने वाली, कोलोराडो की पहली पर्वतारोही महिला थीं.

अमेलिया इयरहार्ट की न्यू-गिनी से हॉवेलैंड द्वीप की उड़ान पूरी दुनिया की सबसे कठिन यात्रा में से एक थी. वो द्वीप सिर्फ एक मील चौड़ा था, और प्रशांत महासागर में एक छोटा सा भूमि का टुकड़ा था.

अमेलिया ईरहार्ट के लापता होने के बारे में कई धारणायें हैं. उनमें से एक के अनुसार अमेलिया संयुक्त राज्य सरकार के लिए एक गुप्त मिशन पर थीं और जापान पर जासूसी करने के लिए प्रशांत द्वीप में छिपी थीं. इसलिए जापानियों ने उन्हें और नोनन को मार डाला. दूसरे धारणा के अनुसार, उन्हें जापानियों द्वारा बंदी बनाया गया और दूसरे विश्व-युद्ध के अंत के बाद उन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका में गुप्त रूप से वापिस लाया गया. कुछ सबूतों के आधार पर इन धारणाओं पर विश्वास भी किया जा सकता है.